

Shree Hanuman Chalisa in Marathi (दोहा) / English

श्रीगुरु चरन सरोज रज निज मनु मुकुरु सुधारि ।
बरनउँ रघुबर बिमल जसु जो दायकु फल चारि ॥

Shri guru charan saroj raj neej manu mukur sudhari ।
Baranu raghubar bimal jasu jo dayaku phal chari ॥

श्रीगुरु चरन सरोज रज निज मनु मुकुरु सुधारि ।
बरनउँ रघुबर बिमल जसु जो दायकु फल चारि ॥

Buddhi heen tanu janike sumero pavan kumar ।
Bal buddhi bidya deu mohi harau kales bikar ॥

Shree Hanuman Chalisa Lyrics Marathi (चौपाई) / English

॥०१॥

जय हनुमान ज्ञान गुन सागर ।
जय कपीस तिहुँ लोक उजागर ॥
Jai Hanuman gyan gun sagar ।
Jai kapis tihu lok ujar ॥

॥०२॥

राम दूत अतुलित बल धामा ।
अंजनी-पुत्र पवनसुत नामा ॥
Ram doot atulit bal dhama ।
Anjaani-putra pavan sut nama ॥

॥०३॥

महाबीर बिक्रम बजरंगी ।
कुमति निवार सुमति के संगी ॥
Mahabir bikram Bajrangi ।
Kumati nivar sumati ke sangi ॥

॥०४॥

कंचन बरन बिराज सुबेसा ।
कानन कुण्डल कुंचित केसा ॥
Kanchan baran biraj subesa ।
Kanan kundal kunchit kesa ॥

॥०५॥

हाथ बज्र और ध्वजा बिराजै ।
काँधे मूँज जनेऊ साजै ॥
Hath bajra aur dhvaja biraje ।
Kaandhe munj janeu saje ॥

॥०६॥

संकर सुवन केसरी नंदन ।
तेज प्रताप महा जग बन्दन ॥
Sankar suvan Kesari nandan ।
Tej pratap maha jag bandan ॥

॥०७॥

बिद्यावान गुनी अति चातुर ।
राम काज करिबे को आतुर ॥
Bidyavaan guni ati chatur ।
Ram kaj karibe ko aatur ॥

॥०८॥

प्रभु चरित्र सुनिबे को रसिया ।
राम लखन सीता मन बसिया ॥
Prabhu charitra sunibe-ko rasiya ।
Ram Lakhan Sita maan basiya ॥

॥०९॥

सूक्ष्म रूप धरि सियहिं दिखावा ।
बिकट रूप धरि लंक जरावा ॥
Sukshma roop dhari Siyahi dikhava ।
Bikat roop dhari Lank jarava ॥

॥१०॥

भीम रूप धरि असुर सँहारे ।
रामचन्द्र के काज सँवारे ॥
Bhim roop dhari asur sahare ।
Ramachandra ke kaj savare ॥

॥११॥

लाय संजीवन लखन जियाये ।
श्रीरघुबीर हरषि उर लाये ॥
Laye sanjivan Lakhan jiyaye ।
Shri Raghuvir harashi ur laye ॥

॥१२॥

रघुपति किन्ही बहुत बड़ाई ।
तुम मम प्रिय भरतहि सम भाई ॥
Raghupati kinhi bahut badhaee ।
Tum mam priye Bharat-hi-sam bhai ॥

॥१३॥

सहस बदन तुम्हरो जस गावैं ।
अस कहि श्रीपति कंठ लगावैं ॥
Sahas badan tumharo jas gaave ।
Asa-kahi Shripati kantha lagave ॥

॥१४॥

सनकादिक ब्रम्हादि मुनीसा ।
नारद सारद सहित अहीसा ॥
Sankadik brahmadi munisa ।
Narad-sarad sahit ahisa ॥

॥१५॥

जम कुबेर दिगपाल जहाँ ते ।
कबि कोबिद कहि सके कहाँ ते ॥
Jum Kuber digpaal jaha teh ।
Kabi Kovid kahi sake kahan teh ॥

॥१६॥

तुम उपकार सुग्रीवहिं कीन्हा ।
राम मिलाय राज पद दीन्हा ॥
Tum upkar Sugreevahi keenha ।
Ram milaye rajpad deenha ॥

॥१७॥

तुम्हरो मंत्र बिभीषन माना ।
लंकेस्वर भए सब जग जाना ॥
Tumharo mantra Vibhishan maana ।
Lankeshvar bhaye sab jag jana ॥

॥१८॥

जुग सहस्त्र जोजन पर भानु ।
लील्यो ताहि मधुर फल जानू ॥
Yug sahastra jojan par bhanu ।
Leelyo tahi madhur phaal janu ॥

॥१९॥

प्रभु मुद्रिका मेलि मुख माहीं ।
जलधि लाँघि गये अचरज नाहीं ॥
Prabhu mudrika meli mukh mahi ।
Jaladi langhi gaye achraj nahi ॥

॥२०॥

दुर्गम काज जगत के जेते ।
सुगम अनुग्रह तुम्हरे तेते ॥
Durgaam kaj jagat ke jete ।
Sugam anugraha tumhre tete ॥

॥२१॥

राम दुआरे तुम रखवारे ।
होत न आज्ञा बिनु पैसारे ॥
Ram duwaare tum rakhvare ।
Hoat na adyna binu paisare ॥

॥२२॥

सब सुख लहै तुम्हारी सरना ।
तुम रच्छक काहू को डर ना ॥
Sab sukh lahe tumhari sarna ।
Tum rakshak kahu ko darna ॥

॥२३॥

आपन तेज सम्हारो आपै ।
तीनों लोक हाँक तें काँपै ॥
Aapan tej samharo aape ।
Teenho lok hank teh kanpe ॥

॥२४॥

भूत पिसाच निकट नहीं आवै ।
महाबीर जब नाम सुनावै ॥
Bhoot pisaach nikat nahin aave ।
Mahabir jab naam sunave ॥

॥२५॥

नासै रोग हरै सब पीरा ।
जपत निरन्तर हनुमत बीरा ॥
Nase rog hare sab peera ।
Japat nirantar Hanumant beera ॥

॥२६॥

संकट तें हनुमान छुडावे ।
मन क्रम बचन ध्यान जो लावै ॥
Sankat se Hanuman chudave ।
Man karam bachan dyan jo lave ॥

॥२७॥

सब पर राम तपस्वी राजा ।
तिन के काज सकल तुम साजा ॥
Sab par Ram tapasvee raja ।
Teen ke kaj sakal tum saja ॥

॥२८॥

और मनोरथ जो कोई लावै ।
सोहि अमित जीवन फल पावै ॥
Aur manorath jo koi lave ।
Soee amit jeevan phal pave ॥

॥२९॥

चारो जुग परताप तुम्हारा ।
है परसिद्ध जगत उजियारा ॥
Charo yug partap tumhara ।
He parasiddha jagat ujjiyara ॥

॥३०॥

साधु सन्त के तुम रखवारे ।
असुर निकन्दन राम दुलारे ॥
Sadhu sant ke tum rakhware ।
Asur nikanandan Ram dulare ॥

॥३१॥

अष्टसिद्धि नौ निधि के दाता ।
अस बर दीन जानकी माता ॥
Ashta-sidhi nav nidhi ke daata ।
Asabar deen Janki mata ॥

॥३२॥

राम रसायन तुम्हरे पासा ।
सदा रहो रघुपति के दासा ॥
Ram rasayan tumhare pasa ।
Sada raho Raghupati ke dasa ॥

॥३३॥

तुम्हरे भजन राम को पावै ।
जनम जनम के दुख बिसरावै ॥
Tumhare bhajan Ram ko paave ।
Janam-janam ke dukh bisrave ॥

॥३४॥

अन्त काल रघुबर पुर जाई ।
जहाँ जन्म हरिभक्त कहाई ॥
Anth-kaal Raghubar pur jae ।
Jaha janma Hari-bhakht kahaee ॥

॥३५॥

और देवता चित्त न धरई ।
हनुमत सेही सर्व सुख करई ॥
Aur devta chitta na dharaee ।
Hanumanth se he sarba sukh karaee ॥

॥३६॥

संकट कटै मितै सब पीरा ।
जो सुमिरे हनुमत बलबीरा ॥
Sankat kate-mite sab peera ।
Jo sumire Hanumat balbeera ॥

॥३७॥

जय जय जय हनुमान गोसाई ।
कृपा करहु गुरुदेव की नाई ॥
Jai Jai Jai Hanuman gosaae ।
Krupa karahu gurudev ki naee ॥

॥३८॥

जो सत बार पाठ कर कोई ।
छूटहि बन्दि महा सुख होई ॥
Jo sath baar paath kar koi ।
Chuthee bandhi maha sukh hoee ॥

॥३९॥

जो यह पढ़ै हनुमान चालीसा ।
होय सिद्धि साखी गौरीसा ॥
Jo yaha padhe Hanuman Chalisa ।
Hoye Siddhi Sakhi Gaurisa ॥

॥४०॥

तुलसीदास सदा हरि चेरा ।
कीजै नाथ हृदय मह डेरा ॥

Tulsidas sada Hari chera ।
Keeje nath hridaye maha dera ॥

Marathi Hanuman Chalisa Lyrics

StatusBeast